अध्याय तृतीय

शोध की प्रविधि

अध्याय –3

शोध प्रविधि

3.1 भूमिका :–

अनुसंधान का अर्थ किसी नवीन तथ्यों की खोज करना है। वास्तव में अनुसंधान एक ऐसी विशिष्ट प्रक्रिया है, जिसमें प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर किसी समस्या का विश्वसनीय समाधान ज्ञात किया जाता है। अनुसंधान प्रश्न करना, गहन जांच, निरीक्षण करना, योजनाबद्ध अध्ययन, व्यापक परीक्षण और तत्परता युक्त उद्देश्य सामान्यीकरण प्रक्रिया संनिहित होती है। पी.वी. युंग के शब्दों में :–

"अनुसंधान एक ऐसी व्यवस्थित विधि है जिनके द्वारा नवीन तथ्यों की खोज तथा प्राचीन तथ्यों की पुष्टि की जाती है तथा उनके उन अनुक्रमों, पारस्परिक संबंधों, कारणात्मक व्याख्याओं तथा प्रकृति नियमों का अध्ययन किया जाता है, जो कि प्राप्त तथ्यों को निर्धारित करते है।"

(कपिल, 1980 पेज 24)

अनुसंधान या शोध कार्य में निश्चित और सही दिशा की और अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है कि शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा तैयार की जाये, क्योंकि यह रूपरेखा ही शोध कार्य के लिए निश्चित दिशा प्रदान करती है।

समस्या निराकरण के लिए इसमें न्यादर्श चयन, उपकरणों एवं तकनीकी का चयन, प्रदत्तों का संकलन एवं सांख्यिकी विधि से प्रदत्तों का विश्लेषण कर उन्हीं के आधार पर निष्कर्ष यानि अंतिम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए शोध प्रबंध के अनुसार इन विधियों की अपनी विशेष भूमिकाएँ होती है।

प्रस्तुत अध्ययन की विधि को देखे तो इनमें विद्यालयीन सर्वेक्षण का समावेश होता है। जिनमें विद्यालय से संबंधित समस्याओं का सर्वे कर उन

पर विचार विमर्श किया जाता है, यहां इन्हीं के अन्तर्गत आठवी के छात्रों की हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यताओं पर अध्ययन किया जायेंगा।

3.2 न्यादर्श

न्यादर्श पद्धति अनुसंधान की वह पद्धति है जिसमें अनुसंधान विषय के अंतर्गत संपूर्ण जनसंख्या से सावधानी पूर्वक कुछ इकाइयों को चुना जाता है, जो संपूर्ण जनसंख्या की आधारभूत विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करती है।

न्यादर्श की परिभाषाएँ :-

''न्यादर्श संपूर्ण जनसंख्या में से लिया गया वह भाग होता है, जो संपूर्ण जनसंख्या के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।''

करलिंगर

''कुछ देखकर या परीक्षा कर 'सब' के बारे में अनुमान लगा लेने की विधि को न्यादर्श कहते है।''

बोगार्डस ने न्यादर्शन के बारे में लिखा है कि .....

''पूर्ण निर्धारित योजना के अनुसार एक समूह में से निश्चित प्रतिशत की इकाइयों का चुनाव ही न्यादर्शन है।''

3.3 न्यादर्श चयन

किसी भी अनुसंधान कार्य में प्रतिदर्श का चुनाव एवं उसकी व्याख्या महत्वपूर्ण पहलु होता है। प्रस्तुत अध्ययन में समय सीमा का ध्यान रखते हुए प्रतिदर्श को उद्देश्यपूर्ण प्रकार से चयनित किया गया है।

प्रस्तुत शोधकार्य हेतु प्रतिदर्श का चयन गुजरात राज्य के नर्मदा जिले के दो शासकीय तथा दो अशासकीय विद्यालय को चयनित किया गया है।

तालिका क्रमांक 3.1

क्र.	शाला के प्रकार	शाला का नाम	विद्यार्थी की संख्या		
			लडकें	लडकीया	
1	शासकीय	स.उ.मा.शाला कोलवाण	29	21	50
2	शासकीय	स.मा.शाला खोपी	18	32	50
3	अशासकीय	आर.जे.मराठा मा.शाल सेलंबा	28	22	50
4	अशासकीय	श्री सेलंबा हाईस्कूल सेलंबा	37	13	50
कुल	शासकीय–2 अशासकीय–2	04	100	100	200

शोध प्रतिदर्श की विशेषताऐं :–

1. इस शोध कार्य के अन्तर्गत चार विद्यालयों से कुल 200 विद्यार्थियों को चयनित किया गया है।

2. प्रतिदर्श के रूप में कक्षा आठवी के विद्यार्थियों को चुना गया, जिसमें से 100 विद्यार्थी शासकीय एवं 100 विद्यार्थी अशासकीय शालाओं से लिये गये।

3. जिनमें 100 विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र से और 100 विद्यार्थी शहरी क्षेत्र से है।

3.4 शोध में प्रयुक्त चर :

शाब्दिक रूप से Variable शब्द का अर्थ होता है कि जो Vary कर सके यानी जो परिवर्तित हो सके।

चर से एक ऐसी स्थिति व गुण का बोध होता है कि जिसके स्वरूप में एक वैज्ञानिक अध्ययन के अंतर्गत एक आयाम पर विभिन्न मात्रात्मक तथा गुणात्मक परिवर्तन होते रहते हैं।

- **करलिंगर के अनुसार :-**

  ''स्वतंत्र चर किसी आश्रित चर का अनुमानित कारण तथा आश्रित चर, स्वतंत्र चर का अनुमानित प्रभाव है''।

  चर मुख्यत्वे दो प्रकार के होते है।

  - स्वतंत्र चर और
  - आश्रित चर।

- <u>स्वतंत्र चर</u> : भाषा रूचि

  स्वतंत्र चर एक प्रयोग के वे कारक होते है, जिन पर प्रयोगकर्ता का नियंत्रण रहता है तथा जिनमें वह जैसा चाहे वैसा परिवर्तन कर सकता है।

- <u>आश्रित चर</u> : भाषा योग्यता

  स्वतंत्र चर के व्यवहार के कारण आश्रित चर परिवर्तित होता है और जिसका अध्ययन तथा मापन किया जाता है उसे आश्रित चर कहते है।

- **प्रस्तुत अध्ययन मेंगुजरात राज्य के नर्मदा जिले के चार माध्यमिक विद्यालयो का चयन कियय गया हे**

  1. **दो शासकीय**
  2. **दो अशासकीय**

चार माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा आठवी के दो सौ (200) विद्यार्थियों को लिया गया।

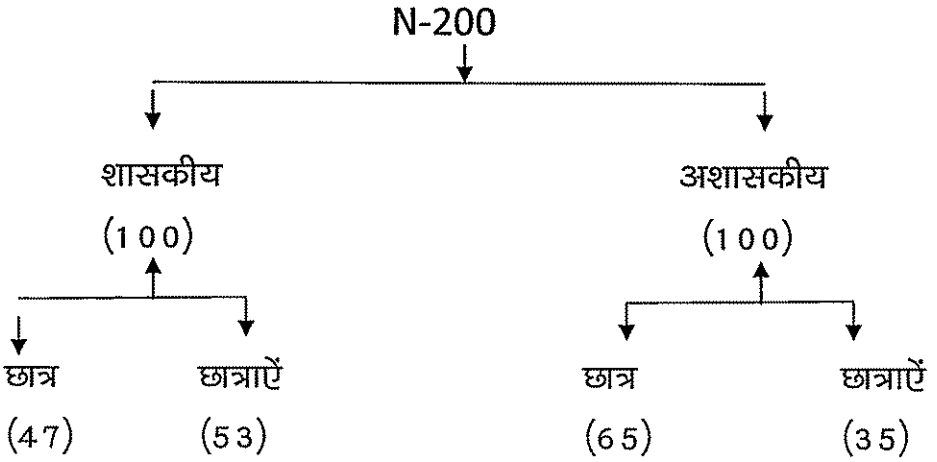

3.5 प्रतिदर्श प्रमाण :

शोध कार्य में परिकल्पनाओं को तार्किक आधार प्रदान करने के लिए प्रतिदर्श के रूप में 200 विद्यार्थी लिये गये। जिनका विवरण हमने उपरोक्त रेखाचित्र में देखा। प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त चर निम्नलिखित है–

स्वतंत्र चर :–भाषा रूचि

आश्रित चर :– भाषा योग्यता

उपचर (1) लिंगगत : बालक, बालिकायें

(2) स्कूल प्रकार : शासकीय, अशासकीय

(3) अवस्थिति : ग्रामीण, शहरी

3.6 शोध में प्रयुक्त उपकरण

किसी भी शोधकार्य के लिए शोधकर्ता के लिए नवीन आंकडे संकलित करने हेतु उपकरणों का होना बहुत आवश्यक है। क्योंकि बिना उपकरणों के आंकडे एकत्रित करना मुश्किल कार्य है। उपकरणों का चयन एवं उपयोग बड़ी

सावधानी पूर्वक किया जाना चाहिए, जिससे परिणाम की विश्वसनीयता पर संदेह न किया जा सकें। सफल अनुसंधान के लिए उपयुक्त उपकरणों का विकास तथा इसका कुशलतापूर्वक प्रयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। चयनित अथवा निर्मित उपकरणों में निम्नलिखित विशेषताऐं चाहिए।

- शोध अध्ययन उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए।
- विश्वसनीय परिणाम वैध होने चाहिए।
- यह मितव्ययी होना चाहिए।

व्यवहारिक दृष्टिकोण से भी उपकरण ऐसा होना चाहिए, जिसके द्वारा अध्ययन में विशेष सुविधा रहे एवं उत्तरदाता आसानी से उत्तर दे सके। प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित उपकरण प्रयुक्त किये गये।

- अभिरूचि परीक्षण (स्वनिर्मित)
- योग्यता परीक्षण (स्वनिर्मित)

उपयुक्त परीक्षणों के निर्माण के बाद परीक्षण किया और सर्वप्रथम कक्षा 8 के हिंदी पढ़ाने वाले शिक्षक के पास प्रश्न की जाँच करायी गई तथा उनकी सलाह के अनुसार सुधार किया गया। परीक्षण में कुल 60 अंक निर्धारित गये और दूसरे परीक्षण के कुल 100 अंक निर्धारित किये गये परीक्षण पत्र का विवरण निम्नलिखित है।

<u>हिन्दी योग्यता परीक्षण</u> :

इस परीक्षण में छैः प्रकार के प्रश्न शामिल किये गये है जो परीक्षण पत्र में 1,2,3,4,5,6 के क्रम में है। इसके द्वारा विद्यार्थी की योग्यता परीक्षण किया गया।

1. <u>समानार्थी शब्दः</u> निर्धारित अंक 10 इसके अंतर्गत दस शब्दों के एक-एक समानार्थी कोष्टक में से छांटकर लिखने थे। प्रत्येक सही उत्तर का एक अंक रखा गया।

2. <u>विरूद्धार्थी शब्द</u> :

निर्धारित अंक 10 इसके अंतर्गत दस शब्दों के एक-एक विरूद्धार्थी कोष्टक में से छांटकर लिखने थे। प्रत्येक सही उत्तर का एक अंक रखा गया।

3. <u>वाक्य रचना</u> :

निर्धारित अंक 5 इसके अंतर्गत पाँच शब्द दिये गये और शब्दों से वाक्य की रचना करना था। प्रत्येक सही वाक्य का एक अंक रखा गया।

4. <u>मुहावरों का वाक्य प्रयोग</u> :

निर्धारित अंक पांच जिसके अंतर्गत दो मुहावरे दिये गये थे प्रत्येक सही जवाब के ढाई अंक रखा गया।

5. <u>व्याकरण</u> :

व्याकरण विभाग के अंतर्गत शब्दों के शुद्ध रूप, बहुवचन, स्त्री लिंग, शब्द समूह के लिए एक शब्द आदि लिया गया। प्रत्येक विभाग 5 अंक का रखा गया।

6. <u>लेखन</u> :

लेखन विभाग के अंतर्गत अनुवाद लेखन और निबंध लेखन को लिया गया प्रत्येक विभाग के 5 अंक रखा गया था।

हिन्दी अभिरूचि परीक्षण

इस परीक्षण के अंतर्गत हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों की रूचि जानने के लिए हिंदी वाचन, लेखन, पठन, व्याकरण, पद्य, गद्य एवं शिक्षा संबंधी प्रश्न शामिल किये गये जिनको तीन विभागों में उत्तर देने के लिए कहा गया सहमत, असहमत और तटस्थ जिसमें सहमत के लिए 2 अंक असहमत लिए 1 और तटस्थ के लिए शून्य अंक रखे गये थे।

3.7 प्रदत्तों का संकलन :-

परीक्षण पूर्णरूपेण तैयार करने के बाद प्रदत्तों के संकलन हेतु विद्यालय द्वारा एक निश्चित समय सीमा दी गई। अध्ययन हेतु गुजरात राज्य के नर्मदा जिले के शासकीय एवं अशासकीय चार विद्यालयों से आँकडों को एकत्रित किया गया।

सर्वप्रथम नर्मदा जिले के चार विद्यालय पसंद करके उन सभी विद्यालयों के प्राचार्यो से मुलाकात कर अपने शोध कार्य के बारे में जानकारी देकर उनसे तारीख व समय निर्धारित किया गया। निर्धारित दिनों के दौरान एक-एक विद्यालय में जाकर शिक्षकों से बातचीत कर शोध के बारे में बताया गया। उसके बाद कक्षा-8 के विद्यार्थियों के वर्ग में जाकर प्रश्नपत्र के बारे में बताया गया और उनसे सामान्य माहिती को भरने के लिए बताया गया। उसके बाद 1 घंटे का समय दिया गया जिसमें विद्यार्थियों में अपनी अपनी योग्यता (क्षमता) के अनुसार अपने अपने प्रश्न पत्र का उत्तर दिया। उत्तर प्रश्न पत्र में ही देने के लिये कहा गया और यह ध्यान दिया गया कि कोई विद्यार्थी एक-दूसरे में से नकल न करें।

नर्मदा जिले के चार विद्यालयों का नाम निम्नलिखित है।

शासकीय विद्यालय

1. सरकारी उच्चतर माध्यमिक शाला कोलवाण

2. सरकारी माध्यमिक शाला खोपी

अशासकीय विद्यालय :

1. आर.जे. मराठा माध्यमिक शाला सेलंबा

2. श्री सेलंबा हाइस्कूल सेलंबा

3.8 शोध कार्य में प्रयुक्त सांख्यिकी :-

प्रस्तुत शोध कार्य के अंतर्गत निम्नलिखित सांख्यिकी का उपयोग किया गया है।

1. सहसंबंध

2. टी टेस्ट